

वनियामकीय सैंडबॉक्स के लिये व्यापक रूपरेखा

प्रलिस के लिये:

[भारतीय रज़िर्व बैंक, वनियामकीय सैंडबॉक्स, डिजिटल व्यक्तगित डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023, फनिटेक](#)

मेन्स के लिये:

नए वत्तीय नवाचारों के जोखमिों के आकलन में वनियामकीय सैंडबॉक्स का महत्त्व ।

[स्रोत: बज़िनेस स्टैण्डर्ड](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [भारतीय रज़िर्व बैंक](#) ने [वनियामकीय सैंडबॉक्स](#) के वभिनिन चरणों को पूरा करने की समय-सीमा को पछिले 7 महीनों से बढ़ाकर **9 महीने** कर दिया है ।

- वनियामकीय सैंडबॉक्स के लिये अद्यतन ढाँचे में [डिजिटल व्यक्तगित डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023](#) के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चति करने हेतु सैंडबॉक्स संस्थाओं की भी आवश्यकता होती है ।

वनियामकीय सैंडबॉक्स (RS) क्या है?

पृष्ठभूमि:

- भारतीय रज़िर्व बैंक ने [फनिटेक](#) के वसितृत पहलुओं के साथ उसके **नहितार्थों की नगिरानी करने एवं रिपोर्ट करने हेतु वर्ष 2016 में एक अंतर-नियामक कार्य समूह की स्थापना** की, ताका नियामक ढाँचे की समीक्षा की जा सके और साथ हीतेज़ी से **वकिसति हो रहे फनिटेक परदृश्य की गतशीलता** पर प्रतिक्रिया दी जा सके ।
- रिपोर्ट में एक अचछी तरह से परभाषति स्थान और अवधि के भीतर एक **वनियामकीय सैंडबॉक्स** के लिये एक उपयुक्त ढाँचे को प्रसतुत करने की सफिरशि की गई है, जहाँ वत्तीय क्षेत्र नियामक दक्षता बढ़ाने, जोखमिों का प्रबंधन करने तथा उपभोक्ताओं के लिये नए अवसर सृजति करने हेतु आवश्यक नियामक मार्गदर्शन प्रदान करेगा ।

परचिय:

- वनियामकीय सैंडबॉक्स एक **नयित्तरति नियामक वातावरण में नए उत्पादों अथवा सेवाओं के प्रत्यक्ष रूप से हुए परीक्षण को संदर्भति करता है** जिसके लिये नियामक परीक्षण के सीमति उद्देश्य हेतु कुछ नियामक छूट की अनुमति दे भी सकते हैं और नहीं भी ।
- वनियामकीय सैंडबॉक्स एक महत्त्वपूर्ण उपकरण है जो **अधकि गतशील, साक्ष्य-आधारति नियामक वातावरण** को सक्षम बनाता है जो **उभरती प्रौद्योगिकियों से सीखते हुए उनके साथ-साथ वकिसति होता है** ।
- यह **वनियामक, वत्तीय सेवा प्रदाताओं और ग्राहकों** को उनके जोखमिों की नगिरानी तथा नयित्तरण करते हुए नए वत्तीय नवाचारों के लाभों एवं जोखमिों पर साक्ष्य एकत्र करने के लिये क्षेत्र परीक्षण करने में सक्षम बनाता है ।

उद्देश्य:

- वनियामकीय सैंडबॉक्स का उद्देश्य **वत्तीय सेवाओं में उत्तरदायी नवाचार को बढ़ावा देकर दक्षता को प्रोत्साहन प्रदान करना और उपभोक्ताओं को लाभ पहुँचाना है** ।
- यह वनियामक को संबद्ध पारतित्र के साथ जुड़ने और **नवाचार-सक्षम अथवा नवाचार-उत्तरदायी नयिमों** को वकिसति करने के लिये एक **संरचति अवसर प्रदान कर सकता है जो प्रासंगिक, अल्प लागत वाले वत्तीय उत्पादों की डिलीवरी की सुवधि प्रदान करता है** ।

लक्षति आवेदक:

- वनियामकीय सैंडबॉक्स में प्रवेश के लिये लक्षति आवेदकों में **फनिटेक, बैंक और वत्तीय सेवा व्यवसायों** के साथ साझेदारी करने वाली अथवा उन्हें सहायता प्रदान करने वाली कंपनियों शामिल हैं ।

भारत में वनियामकीय सैंडबॉक्स का अंगीकरण:

- **फनिटेक फोकस:** भारतीय रज़िर्व बैंक ने वर्ष 2019 में पहला वनियामकीय सैंडबॉक्स कार्यक्रम प्रस्तुत किया।
 - यह RBI की देखरेख में नयित्तरति वातावरण में नवीन वित्तीय उत्पादों और सेवाओं के लाइव परीक्षण की सुविधा प्रदान करता है।
- **वषियगत कॉहोर्ट्स:** RBI सैंडबॉक्स वषियगत कॉहोर्ट्स के आधार पर संचालित होता है। प्रत्येक कॉहोर्ट खुदरा भुगतान, सीमा पारीय लेन-देन अथवा **MSME ऋण जैसे वशिषिट क्षेत्र पर ध्यान केंद्रति करता है।**
 - **वनियामकीय सैंडबॉक्स से संबंधति प्रमुख घटक:**
 - **वनियामकीय सैंडबॉक्स कॉहोर्ट्स:** वित्तीय समावेशन, भुगतान और ऋण, डजिटल KYC आदिपर ध्यान केंद्रति करने वाले वषियगत कॉहोर्ट्स पर आधारति।
 - **वनियामक छूट:** RBI द्वारा कुछ छूट प्रदान की जा सकती है जनिमें **चलनधि आवश्यकताएँ, बोर्ड संरचना, वैधानकि प्रतबिंध** आदि शामिल हैं।
 - **वनियामकीय सैंडबॉक्स परीक्षण से अपवर्जन:** सांकेतिक नकारात्मक सूची में **क्रेडिट रजसिट्री, कर्पिटोकरेंसी, प्रारंभकि सक्िका प्रस्ताव/पेशकश (Initial Coin Offerings)** आदि शामिल हैं।
- **टेलीकॉम सैंडबॉक्स:** सरकार ने "मलिनयिम स्पेक्ट्रम रेगुलेटरी सैंडबॉक्स" पहल शुरू की। इसमें एक स्पेक्ट्रम रेगुलेटरी सैंडबॉक्स (SRS) और वायरलेस टेस्ट जोन (WiTe ज़ोन) शामिल हैं।
 - इन पहलों का उद्देश्य दूरसंचार अनुसंधान एवं वकिस गतविधियों के लयि नयिमों को सरल बनाना और तकनीकी प्रगति के लयि नए स्पेक्ट्रम बैंड की खोज करना है।

वनियामकीय सैंडबॉक्स से संबंधति लाभ और चुनौतयिाँ क्या हैं?

- **लाभ:**
 - **वनियामक अंतरदृष्टि:** नयियामक उभरती प्रौद्योगकियिों के लाभों और जोखमिों तथा उनके नहितार्थ पर प्रत्यक्ष अनुभवजन्य साक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं, जसिसे वे संभावति नयियामक परिवर्तनों पर वचिरशील दृष्टिकोण अपना सकें।
 - **वित्तीय प्रदाताओं के लयि समझ:** मौजूदा वित्तीय सेवा प्रदाता अपनी समझ में सुधार कर सकते हैं कि नई वित्तीय प्रौद्योगकियिों कैसे काम कर सकती हैं, संभावति रूप से उन्हें अपनी व्यावसायकि योजनाओं के साथ ऐसी नई प्रौद्योगकियिों को उचित रूप से एकीकृत करने में मदद मलि सकती है।
 - **लागत प्रभावी व्यवहार्यता परीक्षण:** RS के उपयोगकर्ताओं के पास बड़े और अधिक महंगे रोल-आउट की आवश्यकता के बिना उत्पाद की व्यवहार्यता का परीक्षण करने की क्षमता है।
 - **वित्तीय समावेशन क्षमता:** फनिटेक ऐसे समाधान प्रदान करते हैं जो संभावति रूप से महत्त्वपूर्ण तरीके से वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ा सकते हैं।
 - **नवप्रवर्तन के लयि महत्त्वपूर्ण क्षेत्र:** जनि क्षेत्रों को संभावति रूप से RS से बल मलि सकता है उनमें माइक्रोफाइनेंस, संभावति रूप से नवीन लघु बचत, प्रेषण, मोबाइल बैंकिंग और अन्य डजिटल भुगतान शामिल हैं।
- **चुनौतयिाँ:**
 - **लचीलापन और समय की कमी:** नवप्रवर्तकों को सैंडबॉक्स प्रक्रयिा के दौरान लचीलेपन और समय के साथ चुनौतयिों का सामना करना पड़ सकता है, जसिसे संभावति रूप से अनुकूलन तथा त्वरति पुनरावृत्ति करने की उनकी क्षमता प्रभावति हो सकती है।
 - **केस-दर-केस प्राधकिरण:** व्यक्तगित आधार पर अनुकूलति प्राधकिरण और नयियामक छूट हासलि करना एक लंबी प्रक्रयिा हो सकती है, जसिमें अक्सर व्यक्तपरिक मूलयांकन शामिल होता है, जसिके परिणामस्वरूप प्रयोग में देरी हो सकती है।
 - **कानूनी छूट पर सीमाएँ:** RBI या उसका नयियामक सैंडबॉक्स कानूनी छूट की पेशकश नहीं कर सकता है, जो प्रयोग करते समय कानूनी जोखमिों को कम करने की चाह रखने वाले नवप्रवर्तकों को सीमति कर सकता है।
 - **सैंडबॉक्स के बाद वनियामक सवीकृतयिाँ:** सफल सैंडबॉक्स परीक्षण के बाद भी, प्रयोगकर्ताओं को अपने उत्पाद, सेवाओं या प्रौद्योगकिकी को व्यापक अनुप्रयोग के लयि अनुमति देने से पहले नयियामक अनुमोदन की आवश्यकता हो सकती है, जसिसे संभावति रूप से बाज़ार में आने का समय बढ़ सकता है।

आगे की राह

- नवप्रवर्तकों पर समय और प्रशासनकि बोझ को कम करने के लयि सैंडबॉक्स प्रक्रयिा को सुव्यवस्थति करने की दशिा में काम करें। इसमें आवेदन प्रक्रयिाओं को सरल बनाना और भागीदारी के लयि स्पष्ट दशिा-नरिदेश प्रदान करना शामिल हो सकता है।
- नरिणय लेने के लयि स्पष्ट मानदंड प्रदान करके और यह सुनिश्चति करके कि नरिणय लगातार तथा नषिपक्ष रूप से कयि जाएँ, मामले-दर-मामले प्राधकिरण प्रक्रयिा में पारदर्शति बढ़ाएँ।
- सैंडबॉक्स में भाग लेने वाले नवप्रवर्तकों के लयि व्यापक शकिषा और सहायता प्रदान करें, जसिमें नयियामक आवश्यकताओं तथा संभावति कानूनी मुद्दों पर मार्गदर्शन शामिल है।
- प्रयोग के दौरान उत्पन्न होने वाले कानूनी मुद्दों, जैसे उपभोक्ता हानि, के समाधान के लयि रूपरेखा वकिसति करने हेतु कानूनी वशिषज्जों के साथ सहयोग करें। इसमें नवाचार को प्रोत्साहति करते हुए उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लयि सुरक्षा उपायों को लागू करना शामिल हो सकता है।
- यह सुनिश्चति करने के लयि कि सफल प्रयोग तेज़ी से व्यापक अनुप्रयोग के लयि आगे बढ़ सकें, सैंडबॉक्स परीक्षण के बाद वनियामक अनुमोदन प्राप्त करने की प्रक्रयिा को सुव्यवस्थति करें। इसमें सदिध नवाचारों हेतु फास्ट-ट्रैक अनुमोदन तंत्र स्थापति करना शामिल हो सकता है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQs)

??????????:

प्रश्न. भारत के संदर्भ में नमिनलखिति पर वचिर कीजयि: (2010)

1. बैंकों का राष्ट्रीयकरण
2. कषेत्रीय ग्रामीण बैंकों का गठन
3. बैंक शाखाओं द्वारा गाँव को गोद लेना

उपर्युक्त में से कसिे भारत में "वत्तितीय समावेशन" प्राप्त करने के लयिे उठाय़ा गया कदम माना जा सकता है?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/comprehensive-framework-for-a-regulatory-sandbox>

